गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 108
दि. 18.08.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

'दिल्ली बनेगी विकास और स्वच्छता का मॉडल', द्वारका एक्सप्रेसवे और यूईआर-द्वितीय के उद्घाटन के बाद बोले मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार, 17 अगस्त को दिल्ली में एक बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। उन्होंने द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-II (UER-II) का लोकार्पण करते हुए कहा कि दिल्ली को विकास का मॉडल बनाना अब हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने लोगों को याद दिलाया कि पिछले 11 वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में यात्रा और शहर की सफाई में कितनी तेजी से सुधार हुआ है।

उन्होंने आधुनिक मेट्रो, नमो भारत रेल, और इलेक्ट्रिक बसों के जरिए राजधानी में नई गति और स्वच्छता के उदाहरण दिए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री न्यायब सिंह सैनी भी मौजूद थे। मोदी ने अपने भाषण में जीएसटी सुधार, "वोकल फॉर लोकल" और खादी के बढ़ते प्रचार के महत्व को भी बताया।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में यात्रा बहुत आसान हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने विभिन्न स्तरों पर सड़क और परिवहन प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।

दिल्ली बनेगी विकास का मॉडल

मोदी ने अपने भाषण में कहा कि दिल्ली को दुनिया के लिए विकास का मॉडल बनाना है। "दुनिया जब भारत देखती है, सबसे पहले हमारी राजधानी दिल्ली पर नजर डालती है। इसलिए दिल्ली को एक विकसित राजधानी का मॉडल बनाना जरूरी है," उन्होंने कहा।

आधुनिक परिवहन और साफ-सफाई

प्रधानमंत्री ने बताया कि दिल्ली में पहले से ही विश्व का एक बड़ा मेट्रो नेटवर्क है और नमो भारत जैसी आधुनिक रेल प्रणाली से अन्य राज्यों से जुड़ाव बढ़ा है। वएफ-क्क परियोजना के तहत पुराने कचरे को वैज्ञानिक तरीके से काम में लाकर शहर की सफाई में मदद मिली है।

मोदी ने दिल्ली सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि यमुना से 16 लाख मीट्रिक टन कचरा हटाया गया और 650 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं।

योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्रियों ने अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी सातवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ मिलकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी सातवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वाजपेयी का छह दशकों का राजनीतिक करियर भारतीय राजनीति पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ गया। आदित्यनाथ ने लोक भवन में राज्य की ओर से अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की।

आदित्यनाथ ने वाजपेयी की भारत के लिए दृष्टिकोण पर विचार किया, जिसमें राष्ट्रीय मूल्यों और विकास मॉडल पर उनके जोर को रेखांकित किया गया। सत्ता में हों या विपक्ष में, वाजपेयी ने लगातार इन आदर्शों को प्राथमिकता दी, प्रभावी नेतृत्व प्रदान किया। आदित्यनाथ ने वाजपेयी के करियर में उत्तर प्रदेश के महत्व पर प्रकाश डाला, क्योंकि उन्होंने 1957 में बलरामपुर से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी।

वाजपेयी के लखनऊ से जुड़ाव पर आदित्यनाथ ने प्रकाश डाला, जिन्होंने उल्लेख किया कि उन्होंने शहर का पांच बार लगातार संसद में प्रतिनिधित्व किया। दस बार लोकसभा सांसद और दो बार राज्यसभा सदस्य के रूप में, वाजपेयी वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक बने हुए हैं। 1996 से 2004 तक प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों का प्रतीक था।

आदित्यनाथ ने वाजपेयी को एक कवि और राजनेता के रूप में वर्णित किया, जिन्होंने राजनीति में शुद्धता और नैतिकता का प्रतीक दिया। उन्होंने वाजपेयी को सम्मानित करने के लिए कवियों के एक सम्मेलन में भाग लिया, जहां पद्मश्री से सम्मानित सुरेंद्र शर्मा ने कविता पाठ किया। आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में वाजपेयी की अपनी कविताओं का भी उल्लेख किया।

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने वाजपेयी को उनके सरकारी आवास पर उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। मौर्य ने वाजपेयी की राष्ट्रीय हितों और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने वाजपेयी के जीवन को चरित्र, सेवा और बलिदान के लिए प्रेरणादायक बताया।

वोट अधिकार यात्रा में दिखा लालू यादव का पुराना अंदाज, बोले- 'लागल-लागल झुलनिया में धक्का'

(जीएनएस)।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' की शुरूआत सासाराम से हुई। इस यात्रा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सहित कई बड़े नेता शामिल हुए।

लंबे समय बाद किसी जनसभा में पहुंचे लालू प्रसाद यादव ने मंच से बीजेपी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा- "चोरों को हटाइए, बीजेपी को भगाइए और हमारी पार्टी को जिताइए। किसी भी कीमत पर उस भाजपा को सत्ता में नहीं आने देना है, जो चोरी करती है।"

लालू ने जनता से अपील करते हुए कहा कि सब लोग एकजुट हो जाइए, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ मिलकर बीजेपी को पूरी तरह उखाड़ फेंकिए।

सभा को संबोधित करते हुए लालू यादव ने कहा- 'चोरों को हटाइए, बीजेपी को भगाइए, हमारी पार्टी को जिताइए। और इसमें किसी भी कीमत पर भाजपा को, जो चोरी भी करता है, उसको इस चुनाव में जीतने नहीं देना है। सब लोग एक हो जाइए और एक होकर राहुल गांधी, तेजस्वी यादव को जिताइए। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सब लोग एक साथ आ जाइए और वोट चोरी करने वालों को भगाइए।"

आखिर में लालू यादव ने कहा- "लागल-लागल झुलनिया में धक्का, बलम कलकता चले। आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। राहुल गांधी जिंदाबाद, खड़गे जी जिंदाबाद, तेजस्वी यादव जिंदाबाद।"

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी पर बरसे सीएम डॉ. मोहनः बोलेझ अब तो शर्म आती है, कांग्रेस हो रही देश से साफ

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राहुल गांधी पर विपक्ष के कद को कम करने का आरोप लगाया। उन्होंने बीजेपी के विकास के प्रयासों और किसानों और युवाओं का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक बार फिर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष पद का मान घटा दिया है। इस बात पर शर्म आती है। उनकी मानसिकता से देश को खतरा है।

पश्चिम बंगाल में कब होगा वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन? चुनाव आयोग ने दिया जवाब, जानें कौन लेगा फैसला?

(जीएनएस)।

भारत के चुनाव आयोग ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप को लेकर कड़ी फटकार लगाई। आयोग ने कहा है कि इस तरह के 'अनुचित शब्दों' का इस्तेमाल संविधान का अपमान है। इसके साथ ही आयोग ने ये भी साफ किया कि पश्चिम बंगाल में रक्फ कब आयोजित होगा?

चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, 'जब चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के मतदाताओं को निशाना बनाकर राजनीति की जा रही है, तो आज चुनाव आयोग सभी को यह स्पष्ट करना चाहता है कि चुनाव आयोग निडर होकर बिना किसी भेदभाव के गरीब, अमीर, बुजुर्ग, महिला, युवा सहित सभी वर्गों और सभी धर्मों के मतदाताओं के साथ चट्टान की तरह खड़ा था, खड़ा है और खड़ा रहेगा।'

आज दोपहर नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए भारत के मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में किया जा रहा है।

'आयोग के लिए सत्ताधारी दल और विपक्ष में कोई अंतर नहीं'

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ, मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग के लिए सत्ताधारी दल और विपक्ष में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि, 'हमारे लिए हर पार्टी एक समान है।' उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारी से पीछे नहीं हटेगा।

पश्चिम बंगाल में कब होगा वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन?

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग ने रविवार को बयान दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि राज्य में उपयुक्त समय पर एसआईआर कराने का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में भी जल्द ही तारीखों की घोषणा की जाएगी। बंगाल में रक्फ की तारीख को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (उएउ) और चुनाव आयोग की टीम ही फैसला लेगी।

कंगना रनौत ने लिव इन के बाद अब डेटिंग ऐप्स के खिलाफ खोला मोर्चा, 'समाज का गटर हैं ऐसी चीजें'

कंगना रनौत अक्सर ही अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहती हैं। लिव इन को महिलाओं के लिए नुकसानदायक बताने के बाद अब उन्होंने डेटिंग ऐप्स के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस ने कहा कि इस तरह के ऐप पर समाज के सबसे फ्रस्टेटेड लोग रहते हैं। ये ऐप समाज की गंदगी हैं और कुछ नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि इन ऐप पर सिर्फ कुंठित लोग ही मिलते हैं। ऐसे लोग जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है और हारे हुए होते हैं। एक मीडिया समूह को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि ये ऐप गटर की तरह हैं।

कंगना रनौत इससे पहले लिव इन रिलेशनशिप की भी आलोचना कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में लिव इन संबंध महिलाओं के लिए अनुकूल नहीं हैं। ऐसे संबंधों में सबसे ज्यादा नुकसान औरतों का ही होता है। उनकी सामाजिक-आर्थिक आजादी छिन जाती है और भावनात्मक स्तर पर भी औरतें कई बार बिल्कुल टूट जाती हैं।

ऋतिक रोशन का जलवा बरकरार, तीसरे दिन फिल्म ने छापे तगड़े पैसे

'वॉर 2' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 3 दिन हो गए हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत की है।

जिसे उसने तीसरे दिन भी बनाए हुए है। हालांकि शनिवार के दिन कमाई में गिरावट देखने को मिली है। फिर भी तीन दिनों में कलेक्शन 140 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। अयान मुखर्जी की ये फिल्म यह स्पाय थ्रिलर फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार, 'वॉर 2' ने तीसरे दिन 33 करोड़ रुपये की कमाई की है।

'7 दिन में हलफनामा नहीं तो आरोप निराधार, सबूत पेश करें वरना माफी मांगे', राहुल गांधी को चुनाव आयोग की चुनौती

(जीएनएस)।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बिना नाम लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को फर्जी कहना गलत है और इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। साथ ही चेतावनी दी कि अगर 7 दिन के भीतर हलफनामा पेश नहीं किया गया, तो लगाए गए सभी आरोप निराधार माने जाएंगे। उन्होंने कहा कि आरोप लगाने को सच सुनने की हिम्मत भी होनी चाहिए। चुनाव आयोग ने चेतावनी देते हुए कहा कि या तो हलफनामा दीजिए या देश से माफी मांगनी होगी।

CEC ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी पर परोक्ष वार करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और मतदाता सूची पर लगाए गए आरोप पूरी तरह झूठे और बेबुनियाद हैं। अगर इन दावों के पास कोई ठोस सबूत है तो 7 दिनों के भीतर शपथपत्र (हलफनामा) दाखिल करना होगा, वरना पूरे देश से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी पड़ेगी। तीसरा कोई विकल्प नहीं है।

विपक्ष की ओर से लगाए गए वोट चोरी और एक पार्टी से मिलीभगत के आरोपों पर उएउ ज्ञानेश कुमार ने कहा- "हमारे लिए न पक्ष है, न विपक्ष। सभी राजनीतिक दल हमारे लिए समान हैं। अगर समय रहते त्रुटि सुधार के लिए आवेदन नहीं होता और बाद में वोट चोरी जैसे शब्दों से जनता को गुमराह किया जाता है, तो यह लोकतंत्र का अपमान है।"

हलफनामा मांगने के बारे में पूछे जाने पर ज्ञानेश कुमार ने क्या कहा?

'वोट चोरी' के आरोप के संबंध में चुनाव आयोग द्वारा हलफनामा मांगने के बारे में पूछे जाने पर ज्ञानेश कुमार ने कहा,

"अगर किसी मतदाता की ओर से शिकायत आती है तो चुनाव आयोग उसकी जांच करता है, लेकिन अगर आरोप डेढ़ लाख मतदाताओं का है तो क्या डेढ़ लाख मतदाताओं को बिना किसी सबूत या हलफनामे के नोटिस भेज देना चाहिए? क्या मतदाता सबूत नहीं मांगेंगे? बिना सबूत के वैध मतदाताओं के नाम नहीं काटे जाएंगे।

'भाजपा-आरएसएस संविधान मिटा रहे हैं, इन्हें बिहार चुनाव चोरी नहीं करने देंगे', राहुल गांधी का धमाकेदार बयान

(जीएनएस)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार (17 अगस्त) को बिहार के सासाराम के सुआरा हवाई अड्डा मैदान से अपनी 'वोट अधिकार यात्रा' की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने बीजेपी और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यह लड़ाई सिर्फ चुनाव की नहीं बल्कि संविधान को बचाने की जंग है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, "इखढ और चुनाव आयोग पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव चोरी कर रहे हैं। अब ये रक्फ से बिहार का चुनाव चोरी करना चाहते हैं। इखढ और चुनाव आयोग जान ले- हम बिहार का चुनाव चोरी नहीं करने देंगे।" उन्होंने ये भी कहा कि, नरेंद्र मोदी और ठऊअ अरबपतियों के साथ सरकार चलाते हैं। आप वोट डालते हैं, आपका वोट चोरी किया जाता है और आपका सारा पैसा 5-6 अरबपतियों को दे दिया जाता है।

राहुल गांधी ने कहा, "चुनाव आयोग ने मुझसे एफिडेविट मांगा। जब कुछ दिन पहले इखढ के लोगों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उनसे कोई एफिडेविट नहीं मांगा गया। चुनाव आयोग कहता है- आप एफिडेविट दें कि आपका डेटा सही है। ये डेटा चुनाव आयोग का है, मुझसे एफिडेविट क्यों मांगा जा रहा है?"

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देशभर में चुनावों में धांधली हो रही है। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में जब ओपिनियन पोल महागठबंधन की जीत दिखा रहे थे, तब लोकसभा में भी हम जीते।

लेकिन चार महीने बाद उसी इलाके में जब चुनाव हुआ तो नतीजे उलट गए। जांच में सामने आया कि अचानक 1 करोड़ नए वोटर लिस्ट में जोड़ दिए गए और वहां बीजेपी गठबंधन की जीत हो गई।"

एल्विश यादव के घर पर 30 राउंड फायरिंग! बाल-बाल बचा परिवार, पिता ने बताई आपबीती

देश के मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी के विजेता एल्विश यादव के घर पर रविवार तड़के गोलियों की गड़गड़ाहट से हड़कंप मच गया। गुरुग्राम के सेक्टर-57 स्थित उनके मकान को निशाना बनाते हुए बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। यह हमला उस समय हुआ जब एल्विश यादव घर पर मौजूद नहीं थे और काम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। घटना के दौरान घर में उनके पिता, परिवार के अन्य सदस्य और केयरटेकर मौजूद थे, जो इस हमले से बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने करीब 25 से 30 राउंड गोलियां चलाईं, जिससे घर की खिड़कियों के शीशे टूट गए और दीवारों व छत पर गोलियों के निशान पड़ गए।

सम्पादकीय

लेखक समस्या में

आधुनिक भारत में यह बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है और यह रुकनी चाहिए। पर बुद्धिजीवी समझा जाने वाला लेखक समुदाय अपने साथ हो रही उपेक्षा और ज्यादतियों को चुपचाप सहता रहता है और न ही कभी इसका प्रतिकार करता है और न ही इसके विरुद्ध आवाज उठाता है। आधुनिक भारत में लेखकों की उपेक्षा पांच दशक पहले एक हिदी फिल्म आई थी उसका शीर्षकों था नया जमाना फिल्म का नायक एक लेखकों होता है और फिल्म का खलनायक लेखक द्वारा लिखी गई कहानी को चोरी करके अपने नाम से छपवा देता है जब लेखक को इस बात का पता चलता है कि उनकी कहानी चुराकर किसी ने छपवा दी है तो उसे बहुत तकलीफ होती है और पूरी फिल्म इसी के इर्द गिर्द घूमते हैं। यह सिर्फ एक फिल्म की बात नहीं है बल्कि सिनेमा जगत से लेकर साहित्य जगत में ऐसी हरकते चलती रहती है। किसी भी लेखक की कृति उसकी जान होती है क्योंकि उसने उसको लिखने के लिए महीनों वर्षो तक अपनी रात की नीद खराब की हुई होती है पर जब उसकी लिखी हुई कहानी या कविता छल से किसी द्वारा छीन ली जाती है तो उसको आतंकी नुकसान के साथ साथ उसके दिल को जो कष्ट होता है एक केवल एक लेखकों ही महसूस कर सकता है। अभि हाल में रिलीज हुई सुपर हिट फिल्म सैयारा में भी फिल्मों में सीन और पर्दे के कलाकारों के लिए लिखने वालों जिन्हें घोस्ट राइटर कहते हैं, का मुद्दा बड़ी संजीदगी और सहजता से उठाया गया है। यह फिल्म रीयल दुनिया की ऐसी सच्चाई दिखाती हैं कि पर्दे पर गूंजते डायलॉग और मशहूर होते गीतों के पीछे ऐसे रचनाकार होते है न उनकी मेहनत का वाजिब दाम मिलता है और न शोहरत। ये लोग दूसरों के लिए लिखते हैं और स्वयं गुमनामी रहते हैं। 1962 के भारत छीन युद्ध के दौरान शहीद हुए लोगो की याद में एक कार्यक्रम में लता मंगेशकर ने जब ऐ मेरे वर्ण के लोगों जब आंख में भर लो पानी गया तो कार्यक्रम में बैठे देश के प्रधानमंत्री प जवाहर लाल नेहरू की आंखों में आंसू आ गए थे। पर इस कार्यक्रम में इस यादगार गीत को लिखने वाले गीतकार प्रदीप को नहीं बुलाया गया था। पर अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर प जवाहर लाल नेहरू को इस गीतकार के बारे मे पता चला तो तो उन्होंने गीतकार प्रदीप को बुलाना चाहा पर तब तक प्रदीप जी दुनिया को अलविदा कह चुके थे, इसी तरह इस दुनिया में न जाने कितने प्रदीप होंगे जो एक से एक अनमोल रचनाएं देकर गुमनामी में ही दुनिया से चल बसे। हिदी फिल्मों की प्रसिद्ध लेखक जोड़ी सलीम-जावेद भी लेखकों के प्रति इस उद्दीन पूर्ण रवैए से अछूते नहीं रहे हैं उनका द्वारा लिखा गई सुपर हित फिल्म जंजीर ने अमिताभ बच्चन को इतना बड़ा ब्रेक दिया किए आज उन्हें सदी का महानायक बना दिया, पर जब यह फिल्म रिलीज़ हुई तो सलीम जावेद को खुद ही ब्रश लेकर पेंट से पोस्टरों पर लिखना पड़ा, उनकी इस जिद भविष्य में फिल्म में लेखको को उनका हक दिलाना में एक मजबूत कदम साबित हुई। उससे पहलेि फ ल्म के पोस्टरों में लेखक का नाम नहीं लिखा जाता था पर अब लेखकों डायलॉग राइटर का नाम लिखा जाने लगा है। फिल्मों में लेखकों को लेखको को उनकी मेहनत के हिसाब से पैसा और नाम न मिलने पर प्रसिद्ध लेखक विवेक अग्निहोत्री यह कहने में संकोच नहीं करते कि फिल्म इंडस्ट्री में लेखकों की कोई औकात नहीं है। डेविड धवन की प्रसिद्ध फिल्म स्वर्ग की कहानी लिखने वाले लेखक अनीस अजूमी कहते हैं कि इस फिल्म में इस फिल्म में राजेश खन्ना, गोविन्दा और जूही चावला ने काम किया और फिल्म सुपर हिट हुई पर पोस्टर में मेरा कहीं भी नाम नहीं था , फिर मैने अपने नाम के स्टीकर बनवाए और खुद पोस्टरों पर चिपकाए।लेखकों को उनकी मेहनत का क्रेडिट न देना सिर्फ उद्योगों जगत में ही नहीं बल्कि राजनीतिक और साहित्यिक क्षेत्र में भी होते रहा है और हो रहा है वर्ष 2012 में भाजपा के राज्य सभा संसद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कलराज मिश्र को कुछ नेताओं की राष्ट्रीय राजनीति से दूर करने के तहत विधायकी का टिकट देकर लखनऊ से चुनाव लड़ाया गया और वे सपा की लहर के बावजूद जीते, पर वे उत्तर प्रदेश तक सीमित हो गए।

'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की', शंखनाद और घंटे की तेज ध्वनि के बीच हुआ कृष्ण भगवान का जन्म

(जीएनएस)।

देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा है। मथुरा, वृंदावन और द्वारका समेत कई शहरों में कृष्ण जन्मोत्सव की धूम है। शनिवार आधी रात को 12 बजते ही कृष्ण जन्मोत्सव का शंखनाद हुआ और भक्त हरे कृष्णा-हरे कृष्णा का जोर-जोर का जाप करने लगे।

मंदिरों में घंटे बजने लगे और जयकारे गूंज उठे। "नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...", "जन्मे हैं कृष्ण-कन्हाई, गोकुल में देखो बाजे बधाई...", "हाथी-घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की...", जैसे भजनों पर भक्त झूमते दिखाई दिए। इसके बाद भगवान कृष्ण का पंचामृत से अभिषेक कर उन्हें भोग अर्पित किया गया।पटना के इस्कॉन मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा-अर्चना की।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव मनाने के लिए भक्त एकत्रित हुए। वृंदावन स्थित बांकेबिहारी मंदिर में भगवान के दर्शन होते ही भक्त खुशी से झूम उठे।

लड्डू गोपाल का पंचामृत से विधिवत अभिषेक किया गया इसके बाद उनका श्रृंगार किया गया। भगवान के अद्भुद रूप को देखकर भक्त स्वयं को धन्य महसूस कर रहे थे। भगवान के दर्शन पाते ही भक्त जोर-जोर से बांके बिहारी लाल के जयकारे लगे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नोएडा के इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना गई। भगवान श्री कृष्ण का अभिषेक कर उन पर रंगबिरंगे फूलों की वर्षा की गई।

कोलकाता के इस्कॉन मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान कृष्ण के जन्म का जश्न मनाने के लिए भक्त मध्यरात्रि की प्रार्थना के लिए एकत्र हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मथुरा जन्मभूमि मंदिर

पहुंचे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में भगवान कृष्ण के जन्म के उपलक्ष्य में आधी रात को पूजा-अर्चना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार विलेज स्थित मंदिर में दर्शन किए, वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में दही हांडी उत्सव में भाग लिया। तिरुपति के इस्कॉन मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण के दर्शन किए।

चेन्नई, इंफाल और जयपुर के मंदिरों में भी जन्माष्टमी का उल्लास दिखा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मंदिर को रोशनी से जगमग किया गया और 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित एक बोर्ड भी लगाया गया। पुणे में दही हांडी समारोह में गोविंदा मंडली 'ऑपरेशन सिंदूर' का बैनर लेकर पहुंची, जो सशस्त्र बलों की बहादुरी का सम्मान था।

नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव की शुरूआत मंगला दर्शन के साथ हुई, जहां ठाकुरजी को पंचामृत स्नान कराया गया। रात 12 बजे कान्हा के जन्म पर 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। मुंबई के दादर में भी दही हांडी का आयोजन हुआ, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गुजरात के द्वारका मंदिर में भगवान द्वारकानाथ का श्रृंगार आरती दर्शन किया गया।

बेंगलुरु और पटना के इस्कॉन मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मध्य प्रदेश की इंदौर सेंट्रल जेल में भी कैदियों ने जन्माष्टमी मनाई। श्रीनगर के लाल चौक में शोभायात्रा निकाली गई, जबकि ओडिशा के जगन्नाथ पुरी में पारंपरिक नंद उत्सव अनुष्ठान किया गया। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में जन्माष्टमी पर विशेष पूजा का आयोजन हुआ।

पटना इस्कॉन मंदिर को 'वृंदावन' थीम पर 80 क्विंटल फूलों से सजाया गया, जिसमें थाईलैंड, कोलकाता और बैंकॉक से फूल मंगाए गए थे। भगवान का 251 चांदी के कलश और शंख से अभिषेक किया गया। छत्तीसगढ़ के रायपुर में इस्कॉन मंदिर में तीन दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव चल रहा है, जहां भगवान को भोग लगाने के लिए 1100 किलो मालपुआ तैयार किया गया।

अगर नेता झूठ बोले तो क्या चुनाव आयोग कर सकता है कार्रवाई? सीईसर का जवाब हैरान कर देगा

(जीएनएस)।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद चुनाव आयोग (ECI) ने नेशनल मीडिया सेंटर में पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस प्रेस ब्रीफिंग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दो अन्य चुनाव आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस का माहौल गंभीर था, क्योंकि आयोग ने मतदाता सूची, वोट चोरी और राजनीतिक आरोपों पर स्पष्टता देने का प्रयास किया।

CEC ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। उन्होंने बताया कि बिहार में 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट्स (इछअ) ने मतदाता सूची का ड्राफ्ट तैयार किया और सभी राजनीतिक दलों के एजेंट्स ने इसे हस्ताक्षर कर सत्यापित किया। इस दौरान 28,370 दावे और आपत्तियां भी दर्ज की गईं।

ए1ृ३ङ्क्षल्ल उङ्क२२ङ्क्षल्ल

मतदाताओं की गोपनीयता पर चिंता

मुख्य चुनाव आयुक्त ने चेताया कि हाल ही में कुछ मतदाताओं की तस्वीरें उनकी अनुमति के बिना मीडिया में दिखाई गईं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आयोग किसी मतदाता, उसकी मां या बेटी का सीसीटीवी वीडियो साझा कर सकता है। उएउ ने दोहराया कि केवल वही लोग मतदान करते हैं जिनके नाम सूची में दर्ज होते हैं।

डबल वोटिंग और झूठे आरोप

उएउ ने कहा कि कुछ लोगों ने डबल वोटिंग का आरोप लगाया, लेकिन जब सबूत मांगे गए तो कोई जवाब नहीं मिला। आयोग और मतदाता ऐसे बेबुनियाद आरोपों से नहीं डरते। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में 1 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी, 10 लाख से अधिक इछअ और 20 लाख से ज्यादा पोलिंग एजेंट काम करते हैं।

इतने बड़े और पारदर्शी सिस्टम में "वोट चोरी" जैसी बात संभव ही नहीं है। आयोग ने विपक्षी नेताओं से कहा कि अगर "वोट चोरी" के आरोप सही हैं तो शपथपत्र के साथ सबूत पेश करें। बिना प्रमाण के इस तरह के बयान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को

नुकसान पहुंचाते हैं।

राहुल गांधी से मांगा जवाब

चुनाव आयोग ने 'वोट चोरी' के आरोपों पर कहा कि इस मामले में राजनीतिक दल को अपने आरोपों की शिकायत 7 दिन के अंदर एफिडेविट के साथ चुनाव आयोग को देनी होगी। उन्होंने ये भी कहा कि अगर वो ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी होगी। उन्होंने कहा शिकायत के आभाव में ये सारे आरोप निराधार माने जाएंगे।

विदेशी नागरिक चुनाव नहीं लड़ सकते

उएउ ने स्पष्ट किया कि केवल भारतीय नागरिक ही सांसद या विधायक का चुनाव लड़ सकते हैं। अगर किसी विदेशी ने नामांकन भरा है, तो रक्क प्रक्रिया में उसे दस्तावेजों के जरिए अपनी नागरिकता साबित करनी होगी, वरना उसका नाम हटा दिया जाएगा।

45 दिन की कानूनी प्रक्रिया

उएउ ने कहा कि नतीजे घोषित होने के बाद 45 दिन तक सुप्रीम कोर्ट में चुनाव याचिका दायर की जा सकती है। यदि इस अवधि में कोई अनियमितता सामने नहीं आती और बाद में आरोप लगाए जाते हैं, तो लोग खुद समझ जाते हैं कि इन आरोपों के पीछे असली मकसद क्या है।

मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट पर सुप्रीम कोर्ट का हवाला

उएउ ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही 2019 में कह चुका है कि मशीन से पढ़ी जाने वाली वोटर लिस्ट मतदाता की निजता का उल्लंघन हो सकती है।

क्या चुनाव आयोग राजनेता पर कार्रवाई कर सकता है?

चुनाव आयोग (ECI) के पास चुनाव आचार संहिता लागू होने के दौरान नेताओं की गलत या भ्रामक बयानबाजी पर कार्रवाई करने की शक्ति होती है। आयोग ऐसे मामलों में -

नोटिस जारी कर सकता है और नेता से जवाब मांग सकता है।

चेतावनी दे सकता है या चुनाव प्रचार से कुछ समय के लिए रोक सकता है।

गंभीर मामलों में त्र्क्क दर्ज कराने की सिफारिश कर सकता है।

लेकिन अगर कोई नेता संसद/विधानसभा के बाहर राजनीतिक भाषणों में झूठ बोलता है और वह सीधे चुनाव नियमों का उल्लंघन नहीं करता, तो चुनाव आयोग की शक्ति सीमित होती है। उस स्थिति में मामला अदालत या संबंधित कानून (जैसे मानहानि, व्ढउ की धाराएं आदि) के तहत आता है।

कितना बड़ा हो गया हार्दिक पांड्या का बेटा? मां नताशा को आई याद तो बारिश में दौड़ी चली आई, वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

हार्दिक पांड्या और उनकी एक्स वाइफ नताशा स्तानकोविक को अलग हुए एक साल हो गया है। तलाक के बाद दोनों को मुलाकात करते हुए नहीं देखा गया। हालांकि बेटा अगस्त्य अपने पैरेंट्स से बराबर मिलता है और दोनों के पास आता-जाता रहता है। फोटो और वीडियो सामने आते रहते हैं।

इस बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने साबित कर दिया कि मां की ममता का कोई मोल नहीं है। बारिश में भीगते हुए नताशा अपने बेटे के साथ कहीं जा रही हैं और बेटे को बारिश से बचाने का प्रयास कर रही हैं। वीडियो वायरल हुआ है।

यह वीडियो किसी शोपिंग का नजर आ रहा है, उस दौरान बारिश होती है। छाते के नीचे नताशा अपने बेटे को लेकर जा रही हैं। साथ में एक

और महिला भी हैं। उन दोनों के बीच अगस्त्य दिखाई दिखाई देता है। वायरल भयानी ने अपने इन्स्टाग्राम अकाउंट पर यह वीडियो पोस्ट किया है। आस-पास का माहौल देखते हुए कहा जा सकता है कि यह वीडियो मुंबई का है। बेटे को लेकर नताशा चुपचाप वहां से निकल जाती हैं।

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या 30 जुलाई 2020 को पिता बने थे। हार्दिक ने बेटे के जन्म की खबर सोशल मीडिया के जरिए साझा की थी, जो फैंस के बीच काफी चर्चा में रही थी। अब अगस्त्य की उम्र 5 साल हो चुकी है और वह अक्सर अपने पिता के साथ सोशल मीडिया पर नजर आता है। हार्दिक पांड्या अपने बेटे के बेहद करीब हैं और कई बार इंटरव्यूज में यह जाहिर कर चुके हैं कि अगस्त्य ने उनकी जिंदगी में एक नया मतलब शामिल किया है।

हार्दिक और नताशा जुलाई 2024 में एक-दूसरे से अलग हो गए थे। अपने तलाक की खबर इन दोनों ने सोशल मीडिया के जरिये शेयर की थी। व्यक्तित्व में असंतुलन के कारण इन दोनों का तलाक हो गया था। हार्दिक ज्यादातर खुद में ही रहते थे, इससे नताशा ने अलग होने का फैसला ले लिया। यह शादी चार साल तक चल पाई थी।

भाजपा से एफिडेविट क्यों नहीं मांगा? चुनाव आयोग के 'सब समकक्ष' वाले बयान पर कांग्रेस का कड़ा पलटवार, लगाए आरोप

(जीएनएस)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' वाले आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी। आयोग ने स्पष्ट किया कि उसके लिए सभी राजनीतिक दल समान हैं और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्क) प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जा रही है। लेकिन आयोग कि ये दलील कांग्रेस के गले नहीं उतरी। पार्टी ने एक बार फिर से गंभीर आरोप लगा दिए।

कांग्रेस ने राहुल गांधी का एक वीडियो शेयर करते हुए हमला बोला, जिसमें वह सवाल उठाते नजर आ रहे हैं कि जब बीजेपी नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वही आंकड़े और डेटा पेश किया तो उनसे किसी तरह का एफिडेविट क्यों नहीं मांगा गया। राहुल ने कहा कि उन्हीं आंकड़ों को आधार बनाकर जब उन्होंने मुद्दा उठाया तो आयोग उनसे हलफनामा मांगा जा रहा है। पार्टी ने इसे दोहरे मानदंड बताते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए।

इसके अलावा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एक वीडियो शेयर कर आयोग पर सवाल उठाए हैं। यूपी के पूर्व सीएम ने एक्स पर लिखा, 'चुनाव आयोग को चुनौती देता एक भाजपाई का ये वीडियो

चुनावी धांधली करनेवालों द्वारा दिया गया, एक जीता जागता एफिडेविट है, उएउ इसका जवाब तो दे।

अखिलेश यादव ने भी वीडियो शेयर कर मांगा जवाब

'वोट चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल संविधान का अपमान

कांग्रेस के सीनियर नेता राहुल गांधी के 'मतदान धोखाधड़ी' के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के चुनाव आयोग ने कहा है कि 'वोट चोरी' जैसे 'अनुचित शब्दों' का इस्तेमाल संविधान का अपमान है। नई दिल्ली में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए भारत के मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में किया जा रहा है। कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ पूरी तरह खड़ा है।

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि, 'हमारे लिए हर पार्टी एक समान है,' और कहा कि चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटेगा।

चुनाव आयोग की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब राहुल गांधी ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर आयोग पर निशाना साधने के लिए 'मतदाता अधिकार यात्रा' शुरू की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण, डेटाबेस में सुधार की राजनीतिक दलों की मांगों को पूरा करने के लिए शुरू किया गया है।

'आयोग के दरवाजे सभी के लिए समान रूप से खुले हैं'

कुमार ने कहा कि मसौदा मतदाता सूची पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया गया है और उन्होंने राजनीतिक दलों से किसी भी त्रुटि को चिह्नित करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'चुनाव आयोग के दरवाजे सभी के लिए समान रूप से खुले हैं।'

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि सभी मतदाता, राजनीतिक दल और बूथ स्तर के अधिकारी जमीनी स्तर पर पारदर्शिता से काम कर रहे हैं।

जरा बीवी को समझा दो ', एस जयशंकर की तारीफ करके बुरे फंसे अमिताभ, जानिए क्या है मामला?

(जीएनएस)।

कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) ने आते ही लोगों के दिलों मे खास जगह बना ली है। 15 अगस्त के खास एपीसोड ने तो भारत की तीन वीरांगनाओं (कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और प्रेरणा देवस्थली) ने केबीसी के मंच पर अपनी अभूतपूर्व उपस्थिति दर्ज कराकर एक नया जोश लोगों के अंदर भरा।

इस एपीसोड की जहां लोग सोशल मीडिया पर काफी तारीफ कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोग शो को होस्ट अमिताभ बच्चन को लेकर भी बहुत सारी बातें कर रहे हैं।

दरअसल शो में सवालों का सिलसिला चल रहा था तभी 50 हजार का सवाल स्क्रीन पर आया, जिसमें कैबिनेट मंत्रियों की तस्वीर उनके कार्यकाल के हिसाब से दिखाई गई, वहां नाम नहीं लिखा था-पहले नंबर पर सलमान खुर्शीद (2012-2014) थे, दूसरे नंबर पर सुषमा स्वराज (2014-2019) और तीसरे नंबर केवल कार्यकाल लिखा था 2019 से अब तक लेकिन वहां तस्वीर नहीं थी।

सवाल ये था कि वहां किसकी फोटो होनी चाहिए। सोफिया और व्योमिका दोनों ने एस जयशंकर के नाम पर लॉक किया ,जो कि सही जवाब था। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने एस जयशंकर की तारीफ करते हुए कहा कि 'हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर है ना, ये बहुत तगड़ा उत्तर देते हैं, आजकल मैं इनके इंटरव्यू देखता हूं। ऐसा लगता है कि आर्मी ऑफिसर उत्तर दे रहा है। जिसे सुनने के बाद हर कोई हंसने लगा।'

'जरा बीवी को समझा दो '

हालांकि अमिताभ तो शो में एस जयशंकर की तारीफ करके चले गए लेकिन सोशल मीडिया पर लोग उन्हें उनकी पत्नी जया बच्चन को लेकर छेड़ने लग गए। एक यूजर ने लिखा कि 'अमिताभ जी आप अपनी पत्नी को समझाते क्यों नहीं हैं?' तो एक ने कहा कि 'आप यहां एस जयशंकर की तारीफ कर रहे हैं, वहां संसद में आपकी पत्नी ऑप्रेशन सिंदूर की आलोचना कर रही हैं।' तो एक ने सीधे ही लिख दिया 'जरा बीवी को समझा दो।'

आपको बता दें कि संसद के मानसून सत्र में जब 'ऑप्रेशन सिंदूर' पर बहस हो रही थी, जब सांसद जया बच्चन ने कहा था कि 'जब सिंदूर उजड़ गया तो इस मिशन का नाम ऑप्रेशन सिंदूर क्यों हैं?' जिस पर वो आलोचनाओं की शिकार हुई थीं। इसी वजह से एस जयशंकर की तारीफ करने पर लोग अमिताभ बच्चन को उनकी पत्नी को समझाने के लिए बोल रहे हैं।

इस बार खास बदलाव...

रात 9 बजे, सोमवार से शुक्रवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर केबीसी प्रसारित होता है।

'केबीसी' में पहले सवाल का सही जवाब देने पर कंटेस्टेंट को 5000 रु मिलेंगे। पहले पड़ाव की राशि दस हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी गई है।

पैसा बना एल्विश यादव की जान का दुश्मन? 26 साल के यूट्यूबर ने बनाई करोड़ों की दौलत, कार कलेक्शन भी जानदार

(जीएनएस)।

यूट्यूबर एल्विश यादव एक बार फिर परेशानियों में घिरते नजर आ रहे हैं। 17 अगस्त की सुबह उनके गुरुग्राम स्थित घर में अज्ञात बदमाशों ने कई राउंड फायरिंग हुई हैं। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हालांकि हमले के वक्त एल्विश यादव घर पर मौजूद नहीं थे।

जब ये पूरा हादसा हुआ उनके घर में केयरटेकर और उनकी मां ही थी। इस हमले में किसी भी प्रकार की जानहानि की खबर नहीं है। इसके अलावा हमले को किसने अंजाम दिया है, उसकी भी जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। वैसे ये पहला मामला नहीं है जब एल्विश यादव किसी कॉन्ट्रोवर्सी में फंसे हों। इसके पहले भी वो विवाद में फंस चुके हैं और जेल में भी रह चुके हैं।

साल 2024 में एल्विश का नाम सांप के जहर (स्नेक वैनम) की

तस्करी में जुड़ा। आरोप ये हैं कि एल्विश रेव पार्टियों में सांपों का जहर सप्लाई करते हैं। इसके बाद उन्हें नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भी भेजा था। हालांकि कुछ समय बाद एल्विश को जमानत मिल गई थी। जिसके बाद से वो बाहर हैं, लेकिन केस अभी भी चल रहा है। बता दें, एल्विश यूट्यूब पर रोस्ट वीडियो बनाने की वजह से फेमस हुए थे। इससे ही वो मोटी कमाई करते हैं। 26 साल के एल्विश की कमाई की कितनी है, हम आपको बताते हैं।

रिपोर्ट्स की माने तो एल्विश की कुल संपत्ति 50 करोड़ रुपये है। उनकी कमाई यूट्यूब चैनल, ब्रांड एंडोर्समेंट, लाइव इवेंट्स और टीवी शोज से करते हैं। इसके अलावा उनका क्लोदिंग ब्रांड है। जिससे भी उन्हें मोटी कमाई होती है। रिपोर्ट्स में बताया गया कि हर महीने यूट्यूब से एल्विश को 8-10 लाख रुपये को मिलते हैं। इसके अलावा एल्विश को कार का भी शौक है। पोर्श Porsche 718 Boxster, मसेर्डीज-जी वैगन Mercedes-Benz G-Wagon, ऑडी Audi, फॉर्च्यूनर Toyota Fortuner, और वर्ना Hyundai Verna जैसी गाड़ियां शामिल हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने जगजीवन राम अस्पताल में नयी स्वास्थ्य सुविधाओं का किया उद्घाटन

मुंबई, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (हफ्हहड) की अध्यक्षा श्रीमती नीता गुप्ता के साथ शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 को पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल (खफ्ल्), मुंबई का दौरा किया और कई नयी एवं महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह, वरिष्ठ रेल अधिकारी, चिकित्सक एवं अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने नवनिर्मित 6 लेवल फायर एस्केप रैम्प, नवीनीकृत प्रसूति एवं स्त्री रोग तथा शिशु वार्ड, जिसमें नया 4-बेड वाला गहन चिकित्सा कक्ष (NICU) के साथ ही ऑडियोमेट्री एवं इएफ्ळ सुविधाओं का भी शुभारंभ किया गया। ये नई स्वास्थ्य सुविधाएँ अस्पताल की चिकित्सीय अवसंरचना को और अधिक मजबूत करेंगी तथा रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करेंगी।

श्री गुप्ता ने अस्पताल की उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने की प्रतिबद्धता की सराहना की तथा इसे ठअइल प्रमाणन प्राप्त करने वाला पहला रेल अस्पताल बनने पर बधाई दी। उन्होंने आधुनिक तकनीक अपनाने एवं सहानुभूति तथा संवेदनशीलता के साथ मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण पर बल दिया। यह परियोजना समुदाय को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर, अस्पताल की चिकित्सा निदेशक डॉ. ममता शर्मा ने खफ अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी और विभिन्न रेल विभागों द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं, पश्चिम रेलवे की प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. कोंडा अनुराधा ने जग जीवन राम अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य की सराहना की तथा महाप्रबंधक को उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर 79वाँ स्वतंत्रता दिवस गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्वक माहौल में मनाया गया । वडोदरा स्थित मंडल रेल कार्यालय प्रांगण में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया आरपीएफ ,स्काउट एंड गाइड एवं सिविल डिफेंस की सयुंक्त परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। श्री भडके ने रेलकर्मियों को संबोधित कर उन्हें एवं उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी एवं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन किया।

वडोदरा मंडल पर 'स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025' के अंतर्गत दिनांक 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक एक विशेष 'स्वच्छता अभियान' का आयोजन किया गया था। स्वच्छ भारत एवम हर घर तिरंगा के विषय के उपर आयोजित चित्र/निबंध लेखन/ रंगोली/ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओ के 08 विजेताओं को मंडल रेल प्रबंधक श्री भडके जी द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन वडोदरा की अध्यक्षा डॉ कविता भडके ने दसवी व बारवी कक्षा के 26 बच्चों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह में आरपीएफ द्वारा डॉग शो का प्रदर्शन किया गया एवं तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए तथा रेल कर्मियों द्वारा देशभक्ति पर आधारित लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जो सभी के आकर्षण का केंद्र रहे।

स्वतंत्रता दिवस के इस समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज धमीजा, पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन वडोदरा की उपाध्यक्षा, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री फ्रांसिस लोबो एवम संगठन के अन्य पदाधिकारी व उनकी टीम, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी , ट्रेड यूनियन और संगठनों के पदाधिकारी , पेंशनर्स तथा रेल कर्मचारी उपस्थित रहे थे। मंडल के वडोदरा, भरुच , गोधरा, आणंद , नडियाद, एकतानगर , अंकलेश्वर सहित सभी स्टेशनों, कार्यशाला एवं शेडों पर भी देशभक्ति पूर्ण वातावरण में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री तेजराम मीना ने इस समारोह को सफल बनाने के लिए सभी का आभार प्रकट किया।

अहमदाबाद मंडल में हर्षोल्लास से मनाया गया 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

मंडल रेल प्रबंधक ने फहराया तिरंगा, उत्कृष्ट रेलकर्मियों को किया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अहमदाबाद परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं आरपीएफ तथा स्काउट एवं गाइड की संयुक्त परेड का निरीक्षण कर सलामी ली।

इस अवसर पर श्री वेद प्रकाश ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता का स्वतंत्रता दिवस संदेश पढ़ा और सभी को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान अहमदाबाद मण्डल पर चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं के बारें में जानकारी देते हुए बताया कि हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा रेलखंड का गेज परिवर्तन कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। जिसका हाल ही में रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा संरक्षा निरीक्षण किया गया। उन्होने बताया की भारतीय रेल प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक लोगों को यात्रा कराती है जो आस्ट्रेलिया की जनसंख्या से अधिक है। रेलवे में विगत कुछ वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मई 2025 में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा भारतीय रेलवे के 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों के रूप में समर्पित किया। जिसमें पश्चिम रेलवे 18 शामिल है शेष 69 स्टेशनों का कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

(पहली तस्वीर) मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश 15 अगस्त, 2025 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए। (दूसरी तस्वीर) में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अहमदाबाद परिसर में आयोजित परेड का निरीक्षण करते हुए तथा अंतिम तस्वीर में संबोधित करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

इस दौरान आजादी के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में उड़ाकर स्वतंत्रता का उत्सव मनाया गया तथा आरपीएफ डॉग स्क्वॉड द्वारा सुरक्षा कौशल, विस्फोटक एवं नारकोटिक की पहचान के क्षेत्र में किए गए अभ्यास का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया। समारोह के दौरान मंडल की सांस्कृतिक टीम द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों और नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनसे वातावरण में राष्ट्रभक्ति का संचार हुआ। छोटे बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस में देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहीं। समारोह में मंडल रेल प्रबंधक द्वारा विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 55 से अधिक रेलकर्मियों को पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन, अहमदाबाद की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली गुप्ता ने केंसर बीमारी से पीड़ित रेलकर्मी श्री ईश्वर लाल मालाकार, ट्रैकमैन - ध्रांगध्रा और मनोज कुमार राठौड़, ईएलएफ - 3, साबरमती को बीस-बीस हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की।

अहमदाबाद मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशन—साबरमती, पालनपुर, महेसाणा, गांधीधाम सहित कार्यशालाओं एवं डिपो पर भी देशभक्ति पूर्ण वातावरण में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

समारोह में महिला कल्याण संगठन की सदस्याएँ, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री लोकेश कुमार, श्रीमती मंजू मीणा, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) श्री अनंत कुमार, वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त श्रीमती भवप्रीता सोनी सहित मंडल के अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में रेलकर्मी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री सिद्धार्थ ने इस समारोह को सफल बनाने के लिए सभी का आभार प्रकट किया ।

उंझा स्टेशन पर अजमेर-मैसूरु एक्सप्रेस और लालगढ़-दादर रणकपुर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ

इन ट्रेनों के ठहराव से उंझा को मिला देश के प्रमुख शहरों से सीधा रेल संपर्क

माननीय सांसद एवं माननीय विधायक ने रेल अधिकारियों के साथ ब्रिज संख्या 934, 935 एवं अंडरपास संख्या 934 अ का किया गहन निरीक्षण

आज 17 अगस्त 2025 को उंझा रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 16209/16210 अजमेर-मैसूरु द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 14707/14708 लालगढ़-दादर रणकपुर दैनिक एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ माननीय सांसद (लोकसभा) श्री हररिभाई पटेल और माननीय सांसद (राज्यसभा) श्री मयंक नायक द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

इस अवसर पर माननीय विधायक उंझा श्री किरीटकुमार पटेल, माननीय विधायक महेसाणा श्री मुकेशभाई पटेल, माननीय विधायक खेरालु श्री सरदारभाई चौधरी, माननीय विधायक कड़ी श्री राजेंद्रभाई चावडा, माननीय विधायक बेचराजी श्री सुखाजी ठाकोर, जिला पंचायत अध्यक्ष झ महेसाणा, श्रीमती तृषाबेन पटेल, श्री गिरीश राजगोर अध्यक्ष गुजरात नगर पालिका परिषद, ,नगर पालिका अध्यक्ष उंझा श्रीमती जिग्नाबेन पटेल, श्री एस.के.प्रजापति कलेक्टर व डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट महेसाणा, डॉ. जैस्मिन जिला विकास अधिकारी, मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश, मंडल के अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारीगण तथा उंझा के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उंझा रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक रूप से पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत रु. 30.02 करोड़ है। इस परियोजना के तहत स्टेशन की अधोसंरचना और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें सकुर्लेटिंग एरिया का विस्तार, प्लेटफार्मों पर नए कवर शेड का निर्माण, प्लेटफार्म की सतह, स्वच्छ और दिव्यांग अनुकूल टॉयलेट ब्लॉक, सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण तथा यात्रियों की सुविधा के लिए 6 मीटर चौड़ा और 86 मीटर लंबा एक फूट ओवर ब्रिज (ऋड्ढइ) का निर्माण शामिल है।

उंझा से पहली बार बैंगलुरु लगभग 1740 किमी और मैसुरु लगभग 1880 किमी की सीधी रेल कनेक्टिविटी हो जाएगी। उंझा स्टेशन पर अभी तक 26 ट्रेनें रुकती है जो बढ़कर 30 हो जाएगी। इन दोनों ट्रेनों के ठहराव से उंझा और आसपास के यात्रियों को देश के प्रमुख शहरों अजमेर, जयपुर, अहमदाबाद, पुणे, बेंगलुरु, मैसूरु, दादर और लालगढ़ से सीधा और सुविधाजनक रेल संपर्क मिलेगा।

उंझा से अब अजमेर, मैसूरु, मुंबई जैसे प्रमुख शहरों तक सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा। इससे न केवल व्यापारिक यात्राएं सुविधाजनक बनेंगी, बल्कि तीर्थयात्रा और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। अजमेर शरीफ, मैसूरु के मंदिर, और मुंबई के धार्मिक स्थल अब उंझा के नागरिकों के लिए सुलभ होंगे।

उंझा स्टेशन पर इन नई ट्रेनों के ठहराव का निर्णय स्थानीय नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इस निर्णय से न केवल यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि होगी, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक विकास को भी गति मिलेगी। अब उंझा एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए अहमदाबाद, मेहसाणा या अन्य बड़े स्टेशनों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे यात्रा में लगने वाला अतिरिक्त समय बचेगा और आवागमन पर होने वाला खर्च भी कम होगा। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह एक बहुत बड़ी सुविधा होगी।

उंझा एक प्रमुख कृषि केंद्र है, जहां मसाला मंडी और अन्य कृषि उत्पादों का बड़ा बाजार है। ट्रेन ठहराव से छोटे व्यापारी और किसान अपने माल की ढुलाई और व्यापारिक गतिविधियों को सरलता से संचालित कर सकेंगे। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और बाजार की पहुँच अन्य राज्यों और शहरों तक हो सकेगी। अनेक छात्र उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं या कोचिंग के लिए बड़े शहरों की यात्रा करते हैं। ट्रेन ठहराव से उन्हें सुलभ, सुरक्षित और सस्ती यात्रा का विकल्प मिलेगा, जिससे उनकी शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

उंझा स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की यह सुविधा केवल एक परिवहन सुविधा नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह स्थानीय जनता के लिए गर्व और संतोष का विषय है, जो आने वाले वर्षों में इस निर्णय के दूरगामी लाभों को अनुभव करेगी।

माननीय सांसद श्री हररिभाई पटेल एवं माननीय विधायक श्री किरीटकुमार पटेल ने मण्डल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश एवं रेल अधिकारियों के साथ ब्रिज संख्या 934, 935 एवं अंडरपास संख्या 934 अ का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान वर्तमान स्थिति का आकलन किया गया तथा आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर विचार किया गया।

ट्रेन संख्या 14708/14707 दादरझलालगढ़ रणकपुर एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 16209/16210 अजमेरझ मैसूरु एक्सप्रेस को ऊंझा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव का विवरण निम्नानुसार है :-

'द यश मंगलम शो' की नई विशेष काव्यात्मक फिल्म 'मैं भारत हूँ..!' देशभक्ति के जज्बे को समर्पित

स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मुंबई में हुआ लोकार्पण

मुंबई, 15 अगस्त। अपनी सृजनात्मक उत्कृष्टता की बदौलत डिजिटल कंटेंट क्रिएशन की दुनिया में एक बेहतरीन ब्रांड बनकर निरंतर लोकप्रिय होते जा रहे "द यश मंगलम शो" की नवीनतम पेशकश के अंतर्गत निर्मित विशेष काव्यात्मक फिल्म "मैं भारत हूँ..!" का लोकार्पण गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 को स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मायानगरी मुंबई में किया गया। देशभक्ति के जोशीले जज्बे को समर्पित इस लघु फिल्म में गौरवशाली इतिहास से लेकर गतिशील वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के चुनौतीपूर्ण पथ पर निरंतर अग्रसर यशस्वी रथ के रूप में हमारे भारत देश के समृद्ध अतीत और विभिन्न वैश्विक उपलब्धियों को बखूबी चित्रित किया गया है। इस विशेष फिल्म में भारत की ऐतिहासिक विरासत, तकनीकी कामयाबी, भौगोलिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर, जॉंबाज सैनिकों की बहादुरी और दुनिया में लगातार बढ़ते जा रहे भारत के दबदबे को भी असरदार शैली में शामिल किया गया है।

इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न काव्यात्मक वीडियो को मिली निरंतर सफलता के बाद लोकप्रिय "द यश मंगलम शो" की नवीनतम कड़ी के रूप में "वन्स मोर स्टूडियो, मुंबई" द्वारा " महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन" के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत फिल्म यू-ट्यूब के सुरुचिपूर्ण चैनल "द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की "धरोहरः ए पोएटिक सागा", "शिल्पकार", "योगा रिट्रीट", *"सेहत के रखवाले" और "कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं, जो सिर्फ.15 वर्ष की आयु में ही सशक्त प्रस्तुतीकरण की अपनी दमदार शैली की बदौलत शो-बिज की दुनिया में अपना अच्छा मुकाम हासिल कर रहे हैं। इस विशेष फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें "मैं भारत हूँ ..!" शीर्षक से सृजित उनकी विशेष काव्यात्मक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट फिल्मांकन किया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर के लिखे 8 काव्यात्मक वीडियो पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुके हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम फिल्म "मैं भारत हूँ..!"

स्वाधीनता दिवस के अवसर पर "द यश मंगलम शो" की नवीनतम फिल्म "मैं भारत हूँ..!" के पोस्टर का दृश्य।

के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं एडिटर अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस विशेष फिल्म के प्रोड्यूसर बॉलीवुड के जाने-माने लाइन प्रोड्यूसर दीपक भानुशाली हैं, जिन्होंने एक था टाइगर, जय हो, किक और रंगरेज जैसी चर्चित फि ल्मों में अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। "दिव्य कन्या राइजिंग क्रिकेट" नामक स्पोर्ट्स संस्था यानी उड्ळफ्ठ ने इस लघु फिल्म को पेश किया है, जिसका मिशन भारत की युवा प्रतिभाओं खास कर महिला क्रिकेट की हुनरमंद खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना रहा है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील फिल्म को सटीक एडिटिंग एवं कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का बीड़ा उठाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। इस नवसृजित फिल्म का भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है। क्रिएटिव कंसल्टेंट उत्पल कुमार हैं। फिल्म की शुरूआत में परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर योगेन्द्र सिंह यादव के प्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट की गई है। वहीं फिल्म के पोस्टर पर वर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के डॉ. एस पी वर्मा और रोहित वर्मा के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया है। पोस्ट प्रोडक्शन "वन्स मोर स्टूडियो, मुंबई" ने किया है। उल्लेखनीय है कि स्वाधीनता दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस विशेष फिल्म की प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :-

"मैं भारत हूँ..! विश्व के नक्शे पर सीमाओं से परे, मैं एक साधना हूँ..! उस सर्वशक्तिमान की निर्मल आराधना हूँ..! मैं एक भावना हूँ....! संघर्ष की, समर्पण की, रीतियों की, रिवाजों की, मैं मिट्टी की उस खुशबू में हूँ, जो किसान के पसीने से निकलती है और लहलहाती फसलों के मनमोहक नर्तन में मचलती है, मैं बच्चों की उस मुस्कान में हूँ, जिनकी मासूमियत में भारत का संस्कार झलकता है और युवाओं की उन सपनीली ऑखों में हूँ, जिनमें देश का सुनहरा भविष्य चमकता है, अपने बहादुर सैनिकों के बलिदानी खून के निरुपम स्वाभिमान से लथपथ हूँ..! मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!"

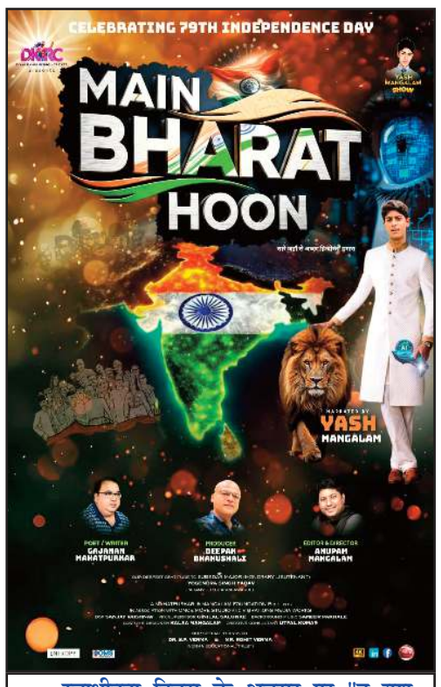

यह विशेष फिल्म इस यू-ट्यूब लिंक पर देखी जा सकती है :-

https://youtu.be/gKH_e1CWRpY?si=eALXOW57RES-hfGQ

चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर पर राजनीति क्यों? मुख्य चुनाव आयुक्त ने पॉलिटिकल पार्टियों से पूछा सवाल

राजनीतिक दलों ने त्रुटियों को सुधारने की मांग की

(जीएनएस)। बिहार की सियासत में इन दिनों मतदाता सूची को लेकर घमासान तेज है। विपक्ष जहां सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगा रहा है, वहीं अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इस पूरे विवाद पर सफाई दी है।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि, 'जब चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के मतदाताओं को निशाना बनाकर राजनीति की जा रही है, तो आज चुनाव आयोग सबको साफ संदेश देना चाहता है कि चुनाव आयोग बेखौफ होकर सभी मतदाताओं चाहे गरीब हों या अमीर, बुजुर्ग हों या युवा, महिला हों या किसी भी धर्म या समाज से के साथ चट्टान की तरह खड़ा था, खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा।'

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'यह कानून में स्पष्ट प्रावधान है कि रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा परिणाम घोषित करने के बाद 45 दिनों की अवधि के भीतर कोई भी राजनीतिक दल सुप्रीम कोर्ट जाकर इलेक्शन पिटीशन दाखिल कर चुनाव को चुनौती दे सकता है। लेकिन इस 45 दिन की अवधि के बाद, चाहे वह केरल हो, कर्नाटक हो या बिहार, इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाना उचित नहीं है। जब चुनाव के 45 दिन पूरे होने तक किसी उम्मीदवार या राजनीतिक दल को कोई गड़बड़ी नजर नहीं आती और उसके बाद इतने दिनों के बाद ऐसे आरोप लगाए जाते हैं, तो देश की जनता और मतदाता समझ जाते हैं कि इन बेबुनियाद आरोपों के पीछे की मंशा क्या है।'

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि पिछले दो दशकों से लगभग सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में त्रुटियों को सुधारने की मांग कर रहे हैं। इसी के तहत बिहार से विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्र) की शुरूआत

की गई है। इस प्रक्रिया में सभी मतदाताओं, बूथ स्तर के अधिकारियों और राजनीतिक दलों द्वारा नामित करीब 1.6 लाख इछअ मिलकर एक मसौदा सूची तैयार कर चुके हैं।

यह भारत के संविधान का अपमान नहीं तो और क्या है?

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'कानून के अनुसार अगर समय रहते मतदाता सूचियों में त्रुटियां साझा न की जाए, अगर मतदाता द्वारा अपने उम्मीदवार को चुनने के 45 दिनों के भीतर उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दायर नहीं की जाए, और फिर वोट चोरी जैसे गलत शब्दों का इस्तेमाल करके जनता को गुमराह करने का असफल प्रयास किया जाए, तो यह भारत के संविधान का अपमान नहीं तो और क्या है?

नगर निगम लखनऊ की कार्यकारिणी समिति में 6 नए सदस्य चुने गए

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ की कार्यकारिणी समिति में रिक्त 6 पदों को भरने के लिए 17 अगस्त 2025 (रविवार) को त्रिलोकीनाथ हाल, नगर निगम मुख्यालय, लालबाग में माननीय सदन के विशेष अधिवेशन का आयोजन किया गया। माननीय महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस अधिवेशन में समस्त माननीय पार्षदगण, नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार, नगर निगम के समस्त अपर नगर आयुक्त, अधिकारीगण और पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

सुबह 11 बजे से शुरू हुए अधिवेशन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कार्यकारिणी समिति के लिए प्रक्रिया संपन्न हुई। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए नगर निगम अधिकारियों की मौजूदगी में कार्यकारिणी के 6 सदस्यों के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। जिसमें 6 माननीय पार्षदों द्वारा अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए और और उन्हें निर्विरोध चयनित किया गया है।

इस अवसर पर माननीय पार्षद श्री अरुण कुमार राय, श्री पृथ्वी गुप्ता, श्रीमती पिंकी रावत, श्री राजेश सिंह 'गब्बर', श्री संदीप शर्मा एवं श्री राम नरेश चौरसिया कार्यकारिणी समिति के सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए।

इन सभी माननीय सदस्यों के निर्विरोध चुने जाने के साथ ही कार्यकारिणी समिति के रिक्त स्थानों की पूर्ति हो गई है। नगर निगम की कार्यकारिणी समिति को नगर निगम की नीतियों और योजनाओं के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर मिलता है। ये सदस्य बजट, विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, जल प्रबंधन, रोशनी व्यवस्था और अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर सदन को सुझाव देंगे।

माननीय महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि नगर निगम की कार्यकारिणी समिति शहर के विकास की धुरी है। नई कार्यकारिणी से अपेक्षा है कि लखनऊ को स्वच्छ, सुंदर और स्मार्ट शहर बनाने की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकारिणी में चुने गए सभी सदस्य जनता की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और टीम भावना से काम करेंगे।

नगर निगम ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों और उपस्थित माननीय पार्षदगण का धन्यवाद किया और उम्मीद जताई कि नवनिर्वाचित समिति की नीतियों और निर्णयों की जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाई जाएगी।

79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह पर गोपेश्वर सेवा समिति ट्रस्ट, गोपालपुरी द्वारा गोपेश्वर सिद्ध शक्तिपीठ में ध्वजारोहण का सफल कार्यक्रम सम्पन्न

आज 15 अगस्त 2025 को हमारे प्यारे भारत देश के 79 में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर गोपेश्वर सेवा समिति ट्रस्ट, गोपालपुरी द्वारा गोपेश्वर सिद्ध शक्तिपीठ के प्रांगण में ध्वजारोहण का सफल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक श्री के एम लाल श्रीवास्तव रहे। उन्होंने ध्वजारोहण किया और उसके पश्चात उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा राष्ट्रगान सहित विभिन्न देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। गोपालपुरी क्षेत्र की महिलाओं तथा बच्चों द्वारा अति उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की गई। संस्था के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव द्वारा अपने समापन भाषण में सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करने के साथ ही समिति के सदस्यों को कार्यक्रम में सहयोग कर उसे सफल बनाने हेतु आभार व्यक्त किया गया। विवेक खरे, मनीष बाजपेई, शैलेंद्र श्रीवास्तव,निखिल पाल, धीरज पाल, सुनील सिंह, सुनील सिन्हा, शशि कुमार, नवनीत श्रीवास्तव, प्रदीप चौरसिया, डी डी पांडे, विंध्याचल सहित श्रीमती रेनू, कोपल, नीलम, प्रभा, रंजना इत्यादि महिलाओं सहित क्षेत्रवासियों का अभिन्न योगदान रहा। गोपालपुरी के वरिष्ठ जनों यथा राधिका विश्वकर्मा, इंदिरा पाल, अनीता आदि द्वारा सभी का उत्साहवर्धन किया गया। सभी ने देश के विकास के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ '

लखनऊ नगर निगम की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण, विकास और स्वच्छता का दिया संदेश

लखनऊ। आजादी के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कैंप कार्यालय पर भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। लखनऊ नगर निगम की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सुबह 7:30 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ।

कार्यक्रम का समापन 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों के साथ हुआ, जिसमें सभी ने देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

'आजादी के दीवानों ने दिया अपना बलिदान।

'आजादी के दीवानों ने दिया अपना बलिदान।

मातृभूमि की रक्षा में किया मृत्यु आव्हान।

सर्वस्व न्यौछावर किया अपना और हुए कुर्बान।

आओ दिल से याद करें उन्हें, और दे सर्व सम्मान।'

मुक्ति भंडारी 'ममता'
पारा, जिला झाबुआ, मध्य प्रदेश

15 अगस्त 1947 का शुभ दिवस जब हम आजाद हुए थे।पुरा देश स्वतंत्रता मिलने की खबर सुनकर खुशी के मारे उछल पड़ा था, आंखों में एक नई चमक और खुशी के आंसू झलक रहे थे। एक नए भारतवर्ष की नई सुबह हुई थी। हमारे देश ने 200 सालों की गुलामी के बाद यह आजादी पाई थी। लेकिन इस आजादी की बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी भारतवर्ष को स्वतंत्र करवाने के लिए देश के वीर जवानों ने, स्वतंत्रता सेनानियों ने हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी थी। ताकि हम भारतवासी मुक्त होकर खुली हवा में सांस ले सके। आज की हमारी स्वतंत्रता बहुत कीमती है जो हमें वीर शहीदों के बलिदान से, उनके सर्वस्व त्याग और समर्पण से मिली है।

अब जबकि हम 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं तो हमारा परम कर्तव्य बनता है कि उन वीर शहीदों के बलिदानों को स्मरण कर देश के सामाजिक, आर्थिक,शैक्षणिक, नैतिक विकास में अपना योगदान देकर मात्रभूमि के प्रति अपना फर्ज निभाकर वीर सपूतों के देखे हुए स्वप्न को साकार करें।

अपने निजी स्वार्थों को छोड़कर देश की सुरक्षा, विकास, समृद्धि में सहयोग देकर हम भी अपना देश धर्म निभाएं। स्वतंत्रता के मोल को समझते हुए देश विरोधी गतिविधियों एवं देश विरोधी ताकतों से अपने देश को सुरक्षित रखना हर भारतवासी का कर्तव्य होना चाहिए।

ऐसा तभी संभव हो पाएगा जब हम आपसी मतभेदों को भूलकर राष्ट्रीय एकता का परिचय देते हुए अपना राष्ट्र धर्म निभाएं।

भारतवर्ष में रहने वाला प्रत्येक नागरिक सिर्फ भारतीय कहलाना चाहिए। हर धर्म, जाति, संप्रदाय से ऊपर राष्ट्र धर्म को माना जाना चाहिए तभी हम मातृभूमि के प्रति अपने फर्ज और कर्तव्य को निभा पायेंगे। सच्चे अर्थों में हम भी देशभक्त कहलाएंगे और फिर कभी कोई भी विदेशी ताकत ना हमें तोड़ पाएगी, ना हमें गुलाम बना पाएगी।

आज भी आजादी इतने वर्षों बाद भी देश के वीर जवान सीमा की रक्षा की खातिर सीना ताने खड़े रहते हैं। हमारे राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा तो भली प्रकार की जा रही है किंतु देश में व्याप्त आंतरिक कलह, विद्वेष को पूर्णतया खत्म करना भी देश की रक्षा करना जितना ही महत्वपूर्ण कार्य है। और यह कार्य देश का सच्चा नागरिक ही सही अर्थों में कर सकता है और राष्ट्र हितैषी कहला सकता है।

हमें अपने भारत वर्ष में एक ऐसा सुदृढ़ और मजबूत, प्रेम, स्नेह और सौहार्द से परिपूर्ण मार्ग तैयार करना होगा जिस पर चलकर एक अखण्ड, अभेद्य, राष्ट्र का निर्माण हो सके।

जन्माष्टमी की रात 12 बजे क्यों काटा जाता है खीरा? जानें, लड्डू गोपाल को खीरे में क्यों रखते हैं?

(जीएनएस)। आज पूरे देश में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव यानी कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया जाएगा। यह त्योहार न केवल भगवान कृष्ण के जन्म का प्रतीक है, बल्कि भक्ति, श्रद्धा और सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत मिश्रण भी है। जन्माष्टमी के दिन कई धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, जिनमें खीरे का विशेष महत्व है। खीरे को केवल फल के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक माध्यम के रूप में देखा जाता है, जो श्रीकृष्ण के अवतार और उनके जन्म की गहराई से जुड़ा है।

जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल को खीरे में रखने की परंपरा

जन्माष्टमी के अवसर पर घरों में छोटे लड्डू गोपाल की मूर्ति को सजाया जाता है। कई स्थानों पर इसे खीरे में बिठाने की परंपरा है। इसका अर्थ है कि भगवान कृष्ण ने जन्म लिया है, ठीक वैसे ही जैसे खीरे के अंदर गोपाल की मूर्ति रखी जाती है। यह परंपरा भक्ति और प्रतीकवाद का सुंदर अनुभव कराती है। लड्डू गोपाल को खीरे में रखना न केवल भगवान के अवतार की स्मृति है, बल्कि भक्तों को उनके प्रति सजीव और व्यक्तिगत अनुभव की भावना भी देता है।

12 बजे क्यों काटा जाता है खीरा?

खीरे को जन्माष्टमी की रात 12 बजे काटा जाता है, जो श्रीकृष्ण के जन्म का प्रतीक है। जैसे खीरे को चीरकर उसके बीज अलग किए जाते हैं, वैसे ही यह माता देवकी के गर्भ से भगवान कृष्ण के जन्म का प्रतीक है। मान्यता है कि श्रीकृष्ण का जन्म कारागार में हुआ और चमत्कारिक रूप से वे नंद के घर पहुंचे। खीरे को काटकर उसके अंदरूनी बीज निकालना बंधन और अंधकार से मुक्ति का प्रतीक है। कुछ स्थानों पर इसे नाल छेदन की रस्म के समान भी माना जाता है, जैसे बच्चे के जन्म के बाद गर्भनाल काटी जाती है। खीरे को काटना इस बात का प्रतीक है कि भगवान कृष्ण अंधकार से जन्म लेकर संसार में आए और उन्होंने अधर्म और अज्ञान का नाश किया।

कान्हा जी को खीरे का भोग चढ़ाने का कारण

भगवान कृष्ण को शीतलता प्रिय थी, इसलिए खीरा उनके लिए विशेष फल माना जाता है। भक्त खीरे को काटकर भगवान को चढ़ाते समय अपनी अशुद्धियों को त्यागकर शुद्ध हृदय से भक्ति करते हैं। जन्माष्टमी पर खीरे का प्रसाद ग्रहण करने से संतान सुख की प्राप्ति की मान्यता भी है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि जन्माष्टमी से पहले के दिन खीरे का सेवन नहीं करना चाहिए।